

बाढ़ से अलग-थलग पड़े गंगा घाटी के दर्जनों गांव

डिगिला और संगमचट्टी के वैकल्पिक पुल भी बहे

● अमर उजाला ब्यूरो

उत्तरकाशी। बाढ़ से सड़क, संपर्क मार्ग और पुलों के बहने से गंगा घाटी के दर्जनों गांव अलग-थलग पड़ गए हैं। गांवों में बिजली-पानी की आपूर्ति तीन दिनों से ठप है। संपर्क मार्ग क्षतिग्रस्त होने तथा पुलों के बहने से रसद का संकट भी गहराने लगा है।

रविवार को आई बाढ़ से असी गंगा पर डिगिला और संगमचट्टीचट्टी में बने वैकल्पिक पुल बहने से अगोड़ा, भंकोली, दंदालका, ढासड़ा, भंकोली, नौगांव, गजोली गांव का संपर्क कटा हुआ है। क्षेत्र के धर्मेन्द्र सिंह पंवार, मोहनलाल, जसपाल, सोबेंद्र सिंह, राजेश, सुमन पंवार

● पिलंग और जड़ाव में 25 छानियां बहीं थी

आदि ने बताया कि पुलों के बहने से कई परिवार छानियों में फंसे हैं। बेबरा नामे तोक पर भी पुल बहने से 40 से अधिक परिवार छानियों में फंसे हुए हैं। उधर, पिलंग गांव के अतर सिंह राणा ने बताया कि पिलंगना गाड़ के उफान पर आने से पिलंग व जड़ाव को जोड़ने वाली ट्राली भी बह गई है। जबकि 20 से 25 छानियों बह गई है। गांव के संपर्क मार्गों के साथ ही कृषि भूमि को भी क्षति पहुंची है। बताया कि गांव में रसद पहुंचाने के लिए कोई रास्ता नहीं है।